>

Title: Regarding acquisition of fertile land in the NCR region.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्षा जी,...(व्यवधान) मैं आपका ही मामला उठा रहा हूं। प्रधानमंत्री जी का जो बयान है, उनका बयान...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अभी जीरो ऑवर का मामला है। आपने जीरो ऑवर का नोटिस दिया है, आप कृपा करके उस बोलिये।

श्री शरद यादव : मैं उस बयान के बाद कुछ कहना नहीं चाहता, इसलिए मैं सहमति के साथ एक महत्वपूर्ण मामला उठा रहा हूं। प्रधानमंत्री और सुषमा जी ने जो बात रखी है, उससे सहमत होते हुए एक महत्वपूर्ण मामला मैं उठाना चाहता हूं।

यहां एग्रीकल्चर मिनिस्टर बैठे हैं। यह समस्या बहुत गम्भीर हो गई है। आपने खुद सदन में, राज्य सभा में कहा है कि इस देश की जो उपजाऊ जमीन है, वह 27 लाख हैक्टेयर घट गई है। उसमें से कुछ अच्छे काम में घटी होगी और कुछ जैसे दिल्ली से जयपुर, दिल्ली से चण्डीगढ़, दिल्ली से आगरा, दिल्ली से हरिद्वार, दिल्ली से अलीगढ़ और दिल्ली से मुरादाबाद, जो दिल्ली के आसपास का इलाका है, यह दुनिया का सबसे जरखेज़ इलाका है। बाकी जो जमीन गई है, वह भी उपजाऊ जमीन ही गई है। देश की यह जो जमीन है, यह इन्सान की जिंदगी का यदि सबसे बड़ा ईंधन कोई है तो वह इन खेतों में बनता है।

मैंने सरकार से बराबर इस सवाल पर चर्चा की है। मैंने प्रधानमंत्री जी को पत्र लिखा है, सोनिया जी को भी पत्र लिखा है। मैं इसे किसी स्वार्थ या पार्टी के जरिए नहीं उठा रहा हूं। दिल्ली के आसपास, चारों तरफ बेचैनी मची हुयी है। आगरा से दिल्ली के लिए रास्ता बना हुआ है। अब हाईवेज बन रहे हैं, यमुना हाईवे, गंगा हाईवे, एक्सप्रेस हाइवे। ये कहां बन रहे हैं, किस इलाके में बन रहे हैं? मेरी चुनौती है कि दुनिया में जो सबसे ज्यादा उपजाऊ इलाका है, जिसमें अर्थ-सी है, वह गंगा का मैदान है। साइंस में कहा जाता है कि यहां अर्थ-सी है। उस इलाके की जमीन केवल उस इलाके भर के लोगों की नहीं है। यह राष्ट्र की संपत्ति है, इस देश की संपत्ति है। भारत सरकार इस संबंध में कानून लाने में जो डिले कर रही है, मुझे समझ में नहीं आता है कि वह क्यों डिले कर रही है? यह बहुत गंभीर संकट है, बहुत गंभीर मामला है। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि बड़ी मुश्किल से भोजन मिला है। हम पीएल 480 खाकर के परेशान थे। देश के किसान ने अपने पुरूषार्थ से आत्महत्या करते हुए भी इस देश को पूरी तरह से पर्याप्त भोजन दे दिया है। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि यह बिल क्यों रूका हुआ है? प्रधानमंत्री जी सदन में उपस्थित हैं। आज इस सदन में सभी जिम्मेदार लोग हैं, मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि यह बिल क्यों रूका हुआ है? इस देश में भ्रष्टाचार पर जो चर्चा चल रही है, सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार का जरिया इस देश की उपजाऊ जमीन बनी हुयी है, लाखों करोड़ रूपए लूटने का काम इस जमीन पर हो रहा है। ...(व्यवधान) जितनी राज्य सरकारें हैं, मैं किसी एक सरकार की बात नहीं कर रहा हूं, जो पुरानी सरकारें थीं ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त करिए।

श्री शरद यादव : यह गंभीर मामला है। अगर आप दो मिनट ज्यादा दे देंगी तो कोई बड़ी परेशानी नहीं होगी।

अंत में, मैं आपसे कहना चाहता हूं, जो एनसीआर बनने वाला है, हरियाणा का पूरा शहरीकरण हो जाएगा, वेस्टर्न यूपी का पूरा शहरीकरण हो जाएगा, राजस्थान का अलवर का पूरी तरह शहरीकरण हो जाएगा और इस देश की कृषि जमीन इतनी घट जाएगी कि इस देश के लोग भूख से मरेंगे। इतिहास इस सदन को माफ करने वाला नहीं है, यदि हमने इस सवाल पर ध्यान नहीं दिया और इसे रोकने का काम नहीं किया। मेरी आपसे विनती है कि तत्काल सारी पार्टियों को बुलाकर इस सवाल का गंभीरता से हाथ में लेने का काम करिए और अगर नहीं लेंगे, तो इस इलाके में किसानों में बहुत बड़े पैमाने पर बेचैनी है, उनके लड़के तो उसे बेचना चाहते हैं, लेकिन जो बूढ़े किसान हैं, वे इसका विरोध कर रहे हैं। चारों तरफ बेचैनी है। मेरी आपके माध्यम से विनती है कि प्रधानमंत्री जी इस सवाल को गंभीरता से लें और जल्दी से जल्दी अंग्रेजों के बनाए हुए लैंड रिफार्म, 1800 के कानून को तत्काल बदलकर, इस देश को बचाने का काम करें। महोदया, मैं आपके माध्यम से यही विनती करना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री शैलेन्द्र कुमार,

श्री नीरज शेखर,

श्री वीरेन्द्र कश्यप,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री राम सिंह कस्वां,

श्री कीर्ति आज़ाद,

श्री अशोक अर्गल,

श्री विश्व मोहन कुमार,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री नामा नागेश्वर राव,

श्री जितेन्द्र सिंह बुन्देला,

श्री रमेन डेका,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

प्रो. रामशंकर,

श्री जयंत चौधरी,

श्री घनश्याम अनुरागी अपने आपको श्री शरद यादव जी से संबद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

12.13 hrs.

At this stage Shri Shailendra Kumar and some other Hon'ble Members came and stood near the Table

अध्यक्ष महोदया : आप स्थान ग्रहण कर लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप उनको बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया उनको बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब हो गया, बैठ जाइए। अब हाउस चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात पर पूरा प्रश्नकाल समाप्त हो गया। अब आप शून्य प्रहर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। कुछ रिकार्ड में नहीं जा रहा है।

(Interruptions) â€¦ *